

भाव निश्चित करने में मुश्किल पड़ती है तो माननीय मन्त्री जी ने जो 1961 में रिकमेंडेशन हुई उनके बारे में क्या निश्चित तरीके से कार्यवाही की और स्टेट को आपरेटिव को यह भार देने में उनको क्या तकलीफ हो रही है ?

**श्री फखरुद्दीन अली अहमद :** यह बात ठीक है अगर अच्छी मार्केटिंग इन्टेलिजेन्स न हो तो कीमतों का एस्टीमेट करने में बिक्कत होगी लेकिन हम, जो सेमिनार में 16-17 तजवीजात आई थीं उन पर कार्रवाई कर रहे हैं और उसी तरीके से हम काम कर रहे हैं।

जहां तक को-आपरेटिव का ताल्लुक है, उसमें अभी तक हमने कोई इरादा नहीं किया है कि उनको किस तरह से मदद दी जाएगी।

**Inquiry by Chairman, F.C.I. into Cheating of Farmers with the Connivance of Officers of F.C.I.**

+

\*922. **SHRI NIHAR LASKAR :**  
**SHRI ISHWAR CHAUDHRY :**

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the Chairman, Food Corporation of India has inquired into the allegations that some wheat Inspectors of Food Corporation of India, in collusion with private wholesalers, are systematically cheating local farmers by underpricing their produce and re-purchasing it at higher rates from the dealers later ;

(b) if so, the results thereof ; and

(c) the steps taken to stop this cheating ?

**THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI F. A. AHMED) :** (a) to (c). Some such complaints came to the notice of the Chairman of the Food Corporation of India. Under his specific direction, these were immediately inquired into by the senior officers of the Corporation. The inquiries did not reveal any instances of cheating of local farmers.

**SHRI NIHAR LASKAR :** Only today we find in the press that farmers are being cheated by thousands of rupees by using defective units of measures. In view of this, I would

like to know from the Government whether they have found out anything about it ?

**SHRI F. A. AHMED :** Information regarding this is available in the newspapers and also from the complaints received from some persons that there has been some cheating. We made enquiries through the Food Corporation of India. They sent their General Manager and also an Inspection Team. The report of the Team is that in many cases, the report is exaggerated and motivated.

It is true there have been some difficulties in Delhi and in Uttar Pradesh. So far as Haryana and Punjab are concerned, the operation is going on very smoothly. The difficulty in Uttar Pradesh has been due to the fact that three agencies are functioning for the purpose of procurement, that is, the Food Corporation of India, the State agency and the cooperatives with the result that they have not been able to make arrangements. Also, this time, the purchase is made directly from the cultivator. There has been some initial difficulty. That has also been overcome. I can only inform the House that as regards procurement, the figure upto three days ago was over 18 lakh tonnes of wheat. That compares very favourably with what was procured at about the same time last year—that was about 11 lakh and a few tonnes of wheat.

**श्री राम रतन शर्मा :** अध्यक्ष जी, भारतीय खाद्य निगम ने गेहूँ और चने को खरीदने के लिए कुछ स्पेसिफिकेशन बनाये सारे देश में, और खास तौर से उत्तर प्रदेश में इस निगम के सेन्टर्स में जो किसान जाते हैं उनका गल्ला वह लोग वापस कर देते हैं यह कह कर कि वह दिए हुए स्पेसिफिकेशन के मुताबिक नहीं है। तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस प्रकार की शिकायतें सरकार के पाम आयी हैं कि उत्तर प्रदेश में जो किसान गल्ला ले जाते हैं वह किसी भी भाव पर खाद्य निगम के सेन्टर्स पर नहीं खरीदा जाता है ?

**श्री फखरुद्दीन अली अहमद :** मैंने तो कहा कि शिकायतें आयी थीं उनके मुताबिक इनकवायरी की और वह शिकायतें बहुत हद तक दूर हो गयी हैं।

**श्री मूलचन्द डागा :** यह कैसे मालूम होता है कि यह अनाज या गल्ला किसानों का ही है और व्यापारियों का नहीं है, इसके लिए आप क्या तरीका अपनाते हैं जिससे असर्टन करते हैं ?

**श्री फखरुद्दीन अली अहमद :** इसीलिए इस वक्ता फंसला कर लिया है कि जहाँ तक गल्ला लिया जाय वह डायरेक्टली किसानों से लिया जाय मंडियों में या जहाँ किसान देते हैं उन जगहों से । इसी तरह से तीन एजेन्सीज, स्टेट की, को-ऑपरेटिब्ज और एफ० सी० आई० काम कर रही हैं ।

**श्री मूलचन्द डागा :** क्या तरीका है आप के पास जांच करने का ? कौन सा क्राइटेरिया है, इसका जवाब नहीं दिया ।

**श्री फखरुद्दीन अली अहमद :** लोकल कमेटीज के जरिये से यह मालूम किया जाता है ।

**SHRI BIRENDER SINGH RAO :** I understand from the reply of the hon. Minister that all the complaints received were looked into. I would like to know how many complaints were received and if all were inquired into and found false, what action was taken against the complaints. Secondly, I would like to know whether the complainants were given an opportunity to substantiate their charges at the time of inquiry.

**SHRI F. A. AHMED :** As far as my information goes, they were given opportunities for the purpose of proving their complaints, and after full inquiry it was ascertained that either the complaints were exaggerated or in some cases where the complaints were found correct, action has been taken.

**SHRI BIRENDER SINGH RAO :** The hon. Minister stated that the complaints were found false. I would like to know how many complaints were received, in total, and in how many complaints inquiry was ordered. He has not replied to that.

**SHRI F. A. AHMED :** I have not got the figures with me now.

**श्री ओंकार लाल बेरबा :** मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार ने 72 रु० और 76 रु० क्विंटल का भाव निश्चित किया, फिर क्या कारण है कि राजस्थान में एक भी किसान को 76 रु० का भाव नहीं दिया गया ? तो उस गेहूँ की किस्म कौन-सी है जिसका भाव 76 रु० प्रति क्विंटल दिया गया ?

**अध्यक्ष महोदय :** सवाल तो कम्प्लेंट्स के बारे में है, शिकायतें जो आयी हैं । आप बिल्कुल दूसरा ही सवाल कर रहे हैं ।

**श्री ओंकार लाल बेरबा :** यही तो घोटाला है इसमें । इस तरह से किसानों को धोखा दिया जा रहा है ।

**अध्यक्ष महोदय :** उग शिकायतों में अगर आप की भी है तो बिल्कुल जायज है ।

**श्री ओंकार लाल बेरबा :** मैं जानना चाहता हूँ कि 76 रु० का भाव कौन से गेहूँ का है, क्योंकि राजस्थान में एक भी किसान को वह भाव नहीं मिला ?

**अध्यक्ष महोदय :** वह गेहूँ अच्छा ही होगा ।

**श्री चन्नीलाल चन्दाकर :** इस तरह की शिकायतें बहुत बड़े पैमाने पर हैं और जांच के परिणाम से मालूम होता है कि इस तरह की शिकायतें सही नहीं निकली तो क्या सरकार मोच रही है कि यह जाच खाद्य निगम के पास न छोड़ कर किमी दूसरे विभाग से करायी जाए ?

**श्री फखरुद्दीन अली अहमद :** जी नहीं, ऐसा कोई क्याल नहीं है ।

**कुत्ते के काटे की बीमारी का फैलना**

\*931. **श्री राम रतन शर्मा :** क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 26 अप्रैल, 1972 के दैनिक 'हिन्दुस्तान' में कुत्ते काटे